पाँच मिरगला पच्चीस मिरगली असली तीन छुन्कारा

पाँच मिरगला पच्चीस मिरगली,

जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे,
हाँ रे तु तो सुण रे,
मिरग खेती वाला रे।bd।

पाँच मिरगला पच्चीस मिरगली,
असली तीन छुन्कारा,
अपने अपने रस का भोगी,
चरता है न्यारा रे न्यारा रे,
जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे।bd।

मन रे मिरगले ने किस बिध रोकूँ,
बिडरत नाय बिडारया,
जोगी जंगम जती सेवड़ा,
पंडित पढ़ पढ़ हारया रे,
जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे।bd।

आम भी खाग्यो अमली भी खाग्यो,
खा गयो केसर क्यारा,
काया नगरिये में कछुयन छोडचो,
ऐसो ही मिरग बिडारया रे,
जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे।bd।

शील संतोष की बाड़ संजोले,
ध्यान गुरु रखवाला,
प्रेम पार की बाण संजोले,
ज्ञान ध्यान से ही मारया रे,
जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नाथ गुलाब मिल्या गुरु पूरा,
ऐसा मिरग बताया,
भानीनाथ शरण सत गुरु की,
बेगा ही बेग सम्भाल्या रे,
जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे।bd।

पांच मिरगला पच्चीस मिरगली,
असली तीन छुन्कारा,
अपने अपने रस का भोगी,
चरता है न्यारा रे न्यारा रे,
जतन बिना मिरगा ने,
खेत उजाडचा रे।bd।

Singer – Shree Navratan Giri Ji Maharaj
Upload By – Himalay Joriwal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com